प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं.76/2026)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
नई दिल्ली, 22 जून, 2026

तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

"31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए
"भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट" जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 जनवरी, 2026 से 31 मार्च, 2026 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ-साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाईट **www.trai.gov.in** और लिंक http://www. trai.gov.in/release-publication/reports/performance-indicators-reports पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए श्री विजय कुमार, सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली से दूरभाष-+91-20907773 एवं ई-मेल fea1-div@trai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

अशोक कुमार

(अशोक कुमार झा)
प्रभारी सचिव, भा.दू.वि.प्रा.

भारतीय दूर ंचार `वा निष्पादन ंकेतक रिपोर्ट
जनवरी ` मार्च, 2026

कार्यकारी ारांश

1. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या मार्च, 2026 के अंत में बढ़कर 1092.79 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत में 1028.61 मिलियन थी जिसमें 6.24% की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। कुल 1092.79 मिलियन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 46.54 मिलियन तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 1046.26 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

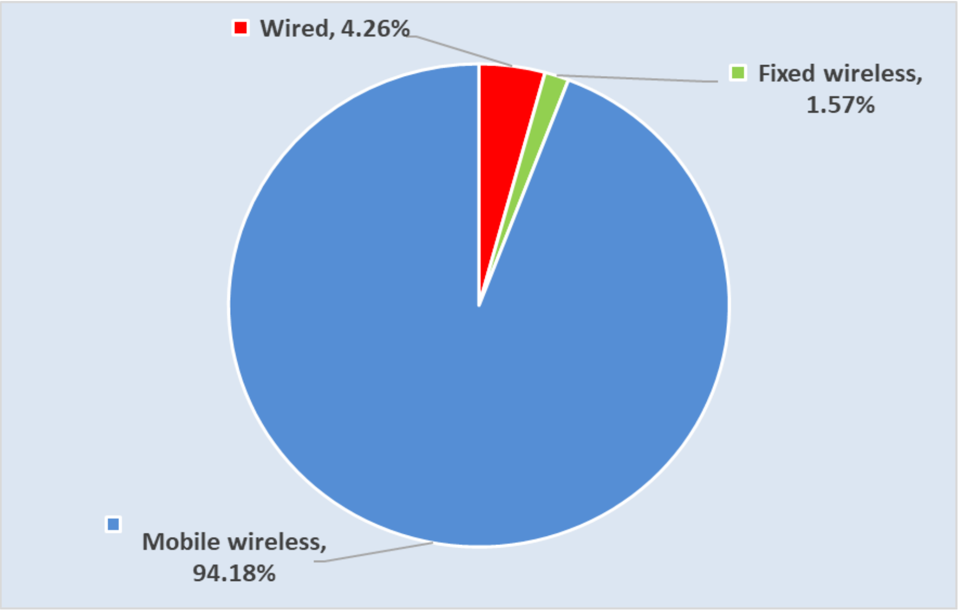

2. इंटरनेट सब्सक्राइबर बेस में 1065.88 मिलियन ब्रॉडबैंड इंटरनेट सब्सक्राइबर और 26.91 मिलियन नैरोबैंड इंटरनेट सब्सक्राइबर शामिल हैं।

3. ब्राडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2026 के अंत में बढ़कर 1065.88 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत में 1007.35 मिलियन थी जिसमें 5.81% की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या भी

26.62% की तिमाही वृद्धि दर के साथ मार्च, 2026 के अंत में बढ़कर 26.91 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत में 21.25 मिलियन थी।

4. वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2026 के अंत में बढ़कर 48.25 मिलियन हो गयी जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत में 47.37 मिलियन थी जिसमें 1.86% की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 30.25% की वृद्धि दर दर्ज की गई।
5. वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 1.64% की तिमाही वृद्धि दर के साथ मार्च, 2026 के अंत में बढ़कर 3.38% हो गया जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत में 3.33% था।
6. वायरलेस दूरसंचार सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 0.76% तिमाही वृद्धि दर के साथ मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 196.04 रुपए हो गया जो कि दिसम्बर, 2025 को समाप्त तिमाही में 194.57 रुपए था। इसी तिमाही में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मासिक एआरपीयू में 7.15% की दर से वृद्धि हो गया।
7. मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही के दौरान वायरलेस सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू 196.22 रूपए और पोस्ट-पेड एआरपीयू 194.31 रुपए है।
8. अखिल भारतीय औसत पर, प्रति माह कुल एमओयू 0.43% की तिमाही वृद्धि दर के साथ दिसम्बर 2025 की तिमाही में 1012 से बढ़कर मार्च 2026 की तिमाही में 1017 हो गया।
9. मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही में, प्रति सब्सक्राइबर प्रीपेड एमओयू 1074 है और प्रति सब्सक्राइबर पोस्टपेड एमओयू 477 प्रति माह है।
10. मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमश: 1,05,118 करोड़ रुपए, 98,638 करोड़ रुपए तथा 86,716 करोड़ रुपए रहा।

मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 2.58% की एपीजीआर में 2.26% की एवं एजीआर में 2.90% की वृद्धि दर दर्ज की गई।

11. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर, एपीजीआर तथा एजीआर में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः 6.99%, 6.50% तथा 9.45% दर्ज की गई।

12. मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए 10.60% की वृद्धि दर के साथ पास-थ्रू-प्रभार पिछले तिमाही के 11,296 करोड़ रुपए से बढ़कर 12,494 करोड़ रुपए हो गया। हालांकि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर पास-थ्रू-प्रभार में 3.76% ह्रास दर दर्ज की गई।

13. मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क बढ़कर 6,936 करोड़ रुपए हो गया जो कि दिसम्बर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए 6,733 करोड़ रुपए था। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही एवं वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 3.02% तथा 9.41% रही।

<u>समायोजित सकल राजस्व का वितरण</u>

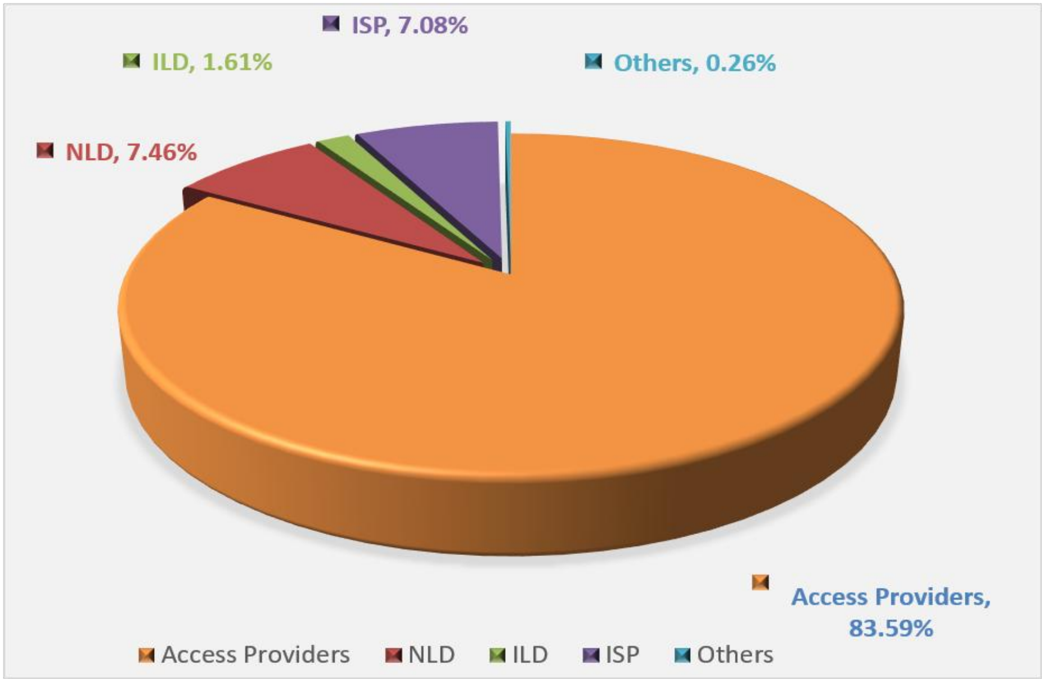

14. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 83.59% का योगदान दिया। मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर),

लाइसेंस शुल्क, स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) एवं पास-थ्रू प्रभारों में क्रमशः 2.85%, 1.68%, 1.75%, 1.74%, -0.44% और 15.38% की वृद्धि दर दर्ज की गई।

15. देश में कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2026 के अंत में बढ़कर 1330.58 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत में 1306.14 मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.87% की वृद्धि दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर भी दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में 10.81% की वृद्धि दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 31 दिसम्बर, 2025 को 91.74% से बढ़कर 31 मार्च, 2026 को 93.26% हो गया।

<u>देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूर ंचार घनत्व का रूझान</u>

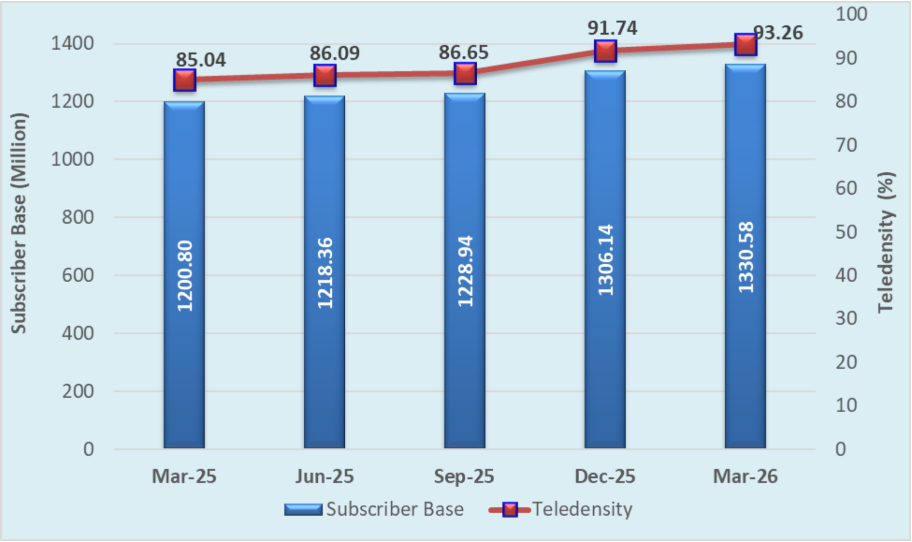

16. मार्च, 2026 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 778.79 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत में 762.44 मिलियन थी और इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व भी 148.92% से बढ़कर 151.47% हो गया।

17. मार्च, 2026 के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 551.79 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत तक 543.70 मिलियन थी

और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 59.63% से बढ़कर 60.46% हो गया।

18. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी मार्च, 2026 के अंत तक घटकर 41.47% हो गई जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत तक 41.63% थी।

दूर ंचार उपभोक्ताओं की ंख्या का वितरण

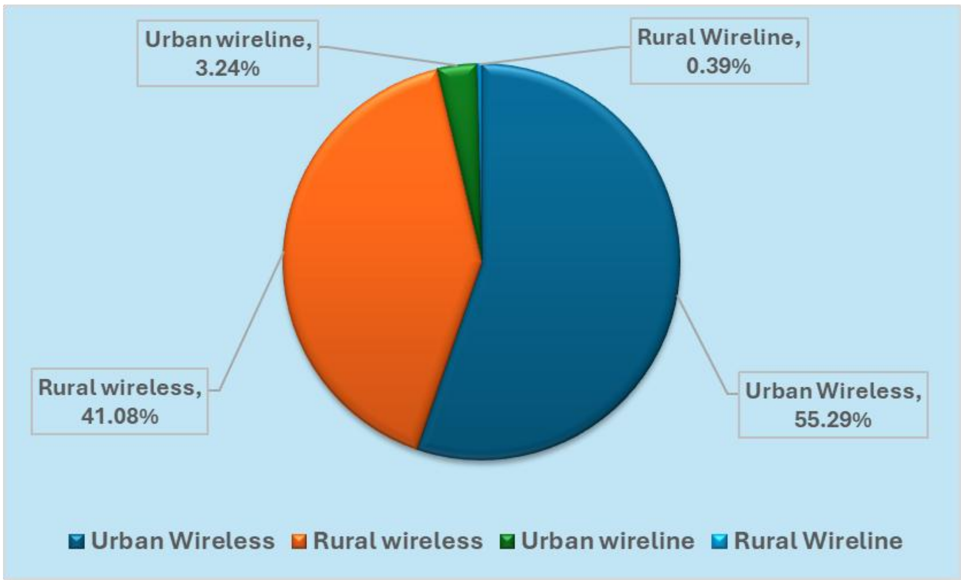

19. इस तिमाही के दौरान 23.56 मिलियन वायरलेस (मोबाइल+एफडब्ल्यूए) उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2026 के अंत तक बढ़कर 1,282.33 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत तक 1,258.77 मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.87% की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसी दौरान वर्ष-दर-वर्ष आधार पर वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 10.19% की वृद्धि दर दर्ज की गयी।

20. कुल वायरलेस (मोबाइल+एफडब्ल्यूए) दूरसंचार घनत्व 1.66% की तिमाही वृद्धि दर के साथ मार्च, 2026 के अंत में बढ़कर 89.88% हो गया जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत में 88.41% था।

21. दिसम्बर तिमाही के दौरान 21.53 मिलियन उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2026 के अंत तक बढ़कर 1,265.73 मिलियन हो गई जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत तक 1,244.20 मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.73% की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसी दौरान वर्षिक आधार पर वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 9.40% की वृद्धि दर दर्ज की गयी।

22. वायरलेस (मोबाइल) दूरसंचार घनत्व 1.52% की तिमाही वृद्धि दर के साथ मार्च, 2026 के अंत में बढ़कर 88.71% हो गया जो कि दिसम्बर, 2025 के अंत में 87.38% था।

23. इस तिमाही के दौरान, सभी एलएसए में वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस बेंचमार्क के संदर्भ में निम्नलिखित मापदंडों का पूरी तरह से अनुपालन किया गया है: -

क्र.सं.	पैरामीटर	बेंचमार्क
1.	ग्राहक द्वारा डिमांड नोट के भुगतान के 7 कार्य दिवसों के भीतर सेवा का प्रावधान	≥ 98%
2.	फॉल्ट की घटनाएं (प्रति 100 सब्सक्राइबर फॉल्ट की संख्या)	≤ 5
3.	पॉइंट ऑफ़ इंटरकनेक्शन (POI) कंजेशन (90वां प्रतिशतक मान)	≤ 0.5%
4.	बिलिंग और चार्जिंग शिकायतें	≤ 0.1%
5.	बिलिंग/चार्जिंग की शिकायतों का चार हफ़्ते के अंदर समाधान	100%
6.	बिलिंग और चार्जिंग की शिकायतों के समाधान या खराबी को ठीक करने या बड़े नेटवर्क आउटेज को ठीक करने की तारीख से एक हफ़्ते के अंदर ग्राहक के खाते में एडजस्टमेंट का आवेदन, जैसा भी लागू हो	100%
7.	कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की पहुंच	≥ 95%
8.	ग्राहक के अनुरोध की प्राप्ति के सात कार्य दिवसों के भीतर सेवा की समाप्ति/बंद करना	100%

24. इस तिमाही के दौरान, सभी एलएसए में सभी एक्सेस सेवा (वायरलेस) प्रदाताओं द्वारा पूरी तरह से अनुपालन किए गये क्यूओएस मापदंडों की सूची:-

क्र.सं.	पैरामीटर	बेंचमार्क
1	कार्यरत सेल्स के प्रतिशत के लिए सेवा प्रदाता की वेबसाइट पर सेवावार भू-स्थानिक कवरेज मानचित्र की उपलब्धता	≥ 99%
2	संचयी डाउनटाइम (सेल्स सेवा के लिए उपलब्ध नहीं)	≤ 1.5%
3	डाउनटाइम के कारण सबसे बुरी तरह प्रभावित सेल	≤ 1.5%
4	आउटेज शुरू होने के 24 घंटे के भीतर प्राधिकरण को रिपोर्ट किए गए महत्वपूर्ण नेटवर्क आउटेज (4 घंटे से अधिक समय तक किसी जिले में सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं) का प्रतिशत	100%
5	कॉल सेट-अप सफलता दर: इंट्रा- सेवा प्रदाता (सेवा प्रदाता के नेटवर्क के भीतर)	≥ 98%
6	कॉल सेट-अप सफलता दर: अंतर-सेवा प्रदाता (अन्य सेवा प्रदाताओं के नेटवर्क से इनकमिंग)	≥ 95%
7	पॉइंट ऑफ़ इंटरकनेक्शन (POI) कंजेशन (90वां प्रतिशतक मान)	≤ 0.5%
8	सर्किट स्विच (2जी/3जी) नेटवर्क के लिए डीसीआर स्थानिक वितरण माप [सीएस_क्यूएसडी (88, 88)]	≤ 2%
9	पैकेट स्विच्ड (4G/5G और उससे आगे) नेटवर्क के लिए DCR स्थानिक वितरण उपाय [PS_QSD (92, 92)]	≤ 2%
10	पैकेट स्विच्ड नेटवर्क के लिए डाउनलिंक पैकेट ड्रॉप दर (4जी/5जी और उससे आगे) [डीएलपीडीआर_क्यूएसडी (88, 88)]	≤ 2%
11	पैकेट स्विच्ड नेटवर्क के लिए अपलिंक पैकेट ड्रॉप दर (4जी/5जी और उससे आगे) [यूएलपीडीआर_क्यूएसडी (88, 88)]	≤ 2%
12	विलंबता (4जी और 5जी नेटवर्क में)	≤ 75 मिलीसेकंडा
13	पैकेट ड्रॉप रेट (4G और 5G नेटवर्क में)	≤ 3%
14	मापे गए परीक्षण नमूनों का प्रतिशत मान, जिनके लिए डाउनलोड और अपलोड गति ≥ टैरिफ पेशकशों में पेशकश की गई सामान्य डाउनलोड और अपलोड गति	80वां प्रतिशतका
15	बिलिंग और चार्जिंग शिकायतें	≤ 0.1%
16	चार सप्ताह के भीतर बिलिंग/चार्जिंग शिकायतों का समाधान	100%
17	बिलिंग और चार्जिंग शिकायतों के समाधान या दोषों के सुधार या महत्वपूर्ण नेटवर्क आउटेज के सुधार की तारीख से एक	100%

	सप्ताह के भीतर ग्राहक के खाते में समायोजन का आवेदन, जैसा लागू हो	
18	कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की पहुंच	≥ 95%
19	90 सेकंड के भीतर ऑपरेटरों द्वारा उत्तर दिए गए कॉल का प्रतिशत (वॉइस टू वॉइस)	≥ 95%
20	ग्राहक के अनुरोध की प्राप्ति के सात कार्य दिवसों के भीतर सेवा की समाप्ति/बंद करना	100%
21	सेवा बंद होने या सेवा का प्रबंध न करने के 45 दिनों के भीतर जमा राशि का रिफंड	100%

25. सभी सेवा क्षेत्रों में सभी ब्रॉडबैंड (वायरलाइन) सेवा प्रदाताओं द्वारा पूरी तरह से अनुपालन किए गये क्यूओएस मापदंडों की सूची:-

क्र.सं.	**पैरामीटर**	**बेंचमार्क**
1	विलंबता	≤50 मिलीसेकंडा
2	पैकेट ड्रॉप रेट	≤1%
3.	मापे गए टेस्ट सैंपल की पर्सेंटाइल वैल्यू जिसके लिए डाउनलोड और अपलोड स्पीड ≥ है, टैरिफ ऑफरिंग में आम डाउनलोड और अपलोड स्पीड	90वांप्रतिशतका
4	आईएसपी गेटवे नोड [इंट्रा-नेटवर्क] या इंटरनेट एक्सचेंज प्वाइंट लिंक (एस) के लिए किसी भी ग्राहक की अधिकतम बैंडविड्थ उपयोग	≤80%
5	जिटेर (Jitter)	≤40 मिलीसेकंडा
6	बिलिंग/चार्जिंग की शिकायतों का चार हफ़्ते के अंदर समाधान	100%
7	कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच	≥ 95%

26. सूचना और प्रसारण मंत्रालय (MIB) द्वारा कुल 917 निजी उपग्रह टीवी चैनलों को केवल अपलिंकिंग/केवल डाउनलिंकिंग/अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग दोनों के लिए अनुमति दी गई है।

27. संशोधित टैरिफ आदेश दिनांक 3 मार्च 2017 के अनुसरण में प्रसारकों द्वारा की गई रिपोर्टिंग के अनुसार, भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध 908 अनुमत सैटेलाइट

टीवी चैनलों में से, 31 मार्च 2026 तक, 342 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। 342 सैटेलाइट पे चैनलों में, 238 एसडी और 104 एचडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। ट्राई को सूचित किए गए इन पे चैनलों के अलावा, एमआईबी द्वारा अनुमत शेष 566 चैनलों को फ्री-टू-एयर (एफटीए) चैनल है।

28. 31 मार्च 2026 की तिमाही के दौरान, देश में 4 पे-डीटीएच सेवा प्रदाता थे। इन डीटीएच ऑपरेटरों द्वारा रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च 2026 तक पे-डीटीएच का कुल सक्रिय सब्सक्राइबर बेस लगभग 49.05 मिलियन है। यह डीडी फ्री डिश (प्रसार भारती की मुफ्त डीटीएच सेवाएं) के सब्सक्राइबर के अतिरिक्त है। पे-डीटीएच सेवाओं का कुल सक्रिय सब्सक्राइबर बेस दिसम्बर 2025 को समाप्त तिमाही में 50.99 मिलियन से घटकर मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में 49.05 मिलियन हो गया है।

29. पब्लिक ब्रॉडकास्टर 'ऑल इंडिया रेडियो' द्वारा चलाए जा रहे रेडियो चैनलों के अलावा, एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा भादूविप्रा को दी गई जानकारी के अनुसार, 31 दिसंबर 2025 तक 31 प्राइवेट एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा 113 शहरों में 385 प्राइवेट एफएम रेडियो चैनल चलाए जा रहे थे। 31 मार्च 2026 को खत्म हुई तिमाही के दौरान, M/s JCL Infra Ltd. ने लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में लेह और करगिल में अपने दो एफएम रेडियो स्टेशनों के लिए मिली मंज़ूरी वापस कर दी। अब, लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में 03 चैनल चल रहे हैं। इसके अलावा, M/s D B Corp Limited ने 07 नए शहरों में 07 नए चैनल शुरू किए हैं, जो हैं: (i) अलवर, (ii) भुज, (iii) दमन, (iv) गांधीधाम, (v) गंगानगर, (vi) पाली और (vii) रतलाम। इसलिए, 31 मार्च 2026 तक, 31 प्राइवेट एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा 120 शहरों में 390 प्राइवेट एफएम रेडियो चैनल चलाए जा रहे हैं।

30. 31 मार्च 2026 को समाप्त तिमाही के दौरान 390 निजी एफएम रेडियो चैनलों के संबंध में एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा रिपोर्ट की गई विज्ञापन राजस्व ₹414.03 करोड़ रुपये है, जबकि पिछली तिमाही यानी 31 दिसम्बर 2025 के लिए 385 निजी एफएम रेडियो चैनलों के संबंध में यह ₹419.29 करोड़ रुपये थी।

31. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 31 मार्च, 2026 को देश में कुल 564 सामुहिक रेडियो स्टेशन चालू हैं।

मुख्य झलकियां

31 माच, 2026 की स्थिति क अन ार डाटा	
दूर ंचार उपभोक्ता (वायरले +वायरलाइन)	
कुल उपभोक्ता	1,330.58 मिलियन
पिछले तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.87%
शहरी उपभोक्ता	778.79 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	551.79 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	92.32%
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	7.68%
दूरसंचार घनत्व	93.26%
शहरी दूरसंचार घनत्व	151.47%
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	60.46%
वायरले उपभोक्ता (मोबाइल+एफडब्ल्यूए)	
वायरलेस (मोबाइल)* उपभोक्ता	1,265.73 मिलियन
वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए+यूबीआर एफडब्ल्यूए) उपभोक्ता	16.61 मिलियन
कुल वायरलेस उपभोक्ता	1,282.33 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.87%
शहरी उपभोक्ता	735.73 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	546.60 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	92.74%
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	7.26%
दूरसंचार घनत्व	89.88%
शहरी दूरसंचार घनत्व	143.10%
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	59.89%
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	77,953 पेटाबाईट
पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	66,325
वीसैट की कुल संख्या	2,01,239
वायरलाइन उपभोक्ता	
कुल वायरलाइन उपभोक्ता	48.25 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन*	1.86%
शहरी उपभोक्ता	43.06 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	5.19 मिलियन
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	18.84%
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	81.16%
दूरसंचार घनत्व	3.38%
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.57%
शहरी दूरसंचार घनत्व	8.37%
पब्लिक काल आफिसों की संख्या (पीसीओ)	5,167

दूर ंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	1,05,118 करोड़
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	2.58%
तिमाही के दौरान प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर)	98,638 करोड़
पिछली तिमाही की तुलना में एपीजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	2.26%
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	86,716 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	2.90%
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	3.12%
इंटरनेट/ब्राडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ता	1092.79 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	6.24%
नैरोबैंड उपभोक्ता	26.91 मिलियन
ब्राडबैंड उपभोक्ता	1065.88 मिलियन
फिक्सड (वायरड) एक्सेस इंटरनेट उपभोक्ता	46.54 मिलियन
वायरलेस (फिक्सड + मोबाइल) एक्सेस इंटरनेट उपभोक्ता	1046.26 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	651.93 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	440.87 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ता	76.59%
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	126.80%
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	48.31%
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (आऊटगोईंग) उपयोग मिनट	74.18 मिलियन
सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट की संख्या	56,222
तिमाही के दौरान सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट में कुल खपत किया गया डेटा (टीबी)	8,576
प्रसारण और केबल सेवाएं	
केवल अपलिंकिंग/केवल डाऊनलिंकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	917
प्रसारकों के द्वारा रिपोर्ट किये गये पे-टीवी चैनलों की संख्या	342
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	390
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या	49.05 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	564
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	4
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मासिक आय (एआरपीयू) (जीएसएम, एलटीई सहित)	196.04 रुपए
वायरलेस सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	1017 मिनट
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डाटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह औसत डाटा उपयोग	26.70 जीबी
तिमाही के दौरान वायरलेस सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा प्रयोग के लिए औसत मूल्य	7.51 रुपए

[*] एमटूएम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन सहित वायरलेस (मोबाइल) कनेक्शनों की संख्या